Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 20-12-2005

Participants : Munshiram Shri

>

Title : Regarding problems being faced by Sugarcane growers in Bijnore, Western Uttar Pradesh.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : सभापति जी, मेरा लोक सभा क्षेत्र, जो कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक भाग है, पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश इस समय देश में चीनी उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है, परन्तु बड़े दुःख के साथ इस सदन को अवगत कराना पड़ रहा है कि इस क्षेत्र के गन्ना उत्पादन करने वाले करोड़ों किसानों को उनके गन्ने के उत्पादन का पूरा मूल्य नहीं दिया जा रहा है। इस समय उत्तर प्रदेश सरकार ने 115-120 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया है जोकि गन्ना उत्पादन करने वाले करोड़ों किसानों के साथ अन्याय है। जिस गन्ने से उत्पादन होने वाली चीनी के अतिरिक्त शीरा जो 300 से 500 रुपये क्विंटल बिकता है, खोई 150 रुपये क्विंटल से अधिक में बिकती है। इसके अतिरिक्त वेस्ट (मैली) को भी लगभग 100 रुपये प्रति क्विंटल बेचा जाता है। ऐसी दशा में गन्ना उत्पादन करने वाले करोड़ों किसानों को 150 रुपये प्रति क्विंटल से कम पर गन्ने का भुगतान किया जाना बिल्कुल न्यायोचित नहीं है। इसके लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर यह भी जांच करायी जाए कि चीनी मिल मालिक किसानों को उनके गन्ने का पूरा भुगतान क्यों नहीं करते। सरकारी राजस्व को हानि पहुंचाने की दृटि से भी चीनी मिल मालिक गन्ने में चीनी की उपलब्धता लगभग 20 प्रतिशत कम ही दर्शाते हैं। चीनी मिलों के कम्प्यूटरीकृत तौल कांटे इस प्रकार के हैं कि जिसमें बैठे-बैठे किसी भी क्षण कुछ भी रद्दो-बदल की जा सकती है, जिसके कम्प्यूटर प्रोग्राम की जांच कर, इस पर रोक लगाई जाए। गन्ना उत्पादन करने वाला किसान दोहरी मार झेल रहा है। उसको अपनी फसल बचाने के लिए ि वद्युत आपूर्ति न मिलने के कारण 35 रुपये प्रति लीटर डीजल से सिंचाई कर अपनी फसल की रक्षा करनी पड़ती है। अतः इस सदन के माध्यम से माननीय कृाि मंत्री जी से मैं यह मांग करता हूं कि गन्ना उत्पादन करने वाले करोड़ों किसानों के साथ न्याय किया जाए।

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet again at 11 a.m. on 21st December, 2005.

20.26 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on[r84] Wednesday, December 21, 2005/Agrahayana 30, 1927 (Saka).

---

*Speech was laid on the Table.

*Speech was laid on the Table

[lh1]CD. BY B1

[snb2]Fld by o1.e

[snb3]Fld by o1.e

[snb4]Fld by p1.e

[bru5]PAGES TO BE LEFT FOR WRITTEN STATEMENT

[i6]fd by q

[t7]Contd. by b2

[r8]SHRI PRANAB MUKHERJEE CONTINUED

[r9]FOLLOWED BY C2

[reporter10]Contd by D2

[MSOffice11] Ctd by r1

[r12] cd by s1

[R13]fld by t1

[a14]contd. by u1.e

[k15](Fd. by w1)

[r16]Ctd by x

[r17]fd. by y1

[k18]Ctd by z1.e

[R19]Cd J2

[R20]cd. by 'k2'

[r21]cd. By l2

[snb22]Contd. By m2.e

[bru23]Varkala-cd.

[R24] cd. by n2.h

[R25]fd. by o2

[R26]Cd by q2

[a27]contd. by r2.e

[RB28]Cd. By s2

[R29](cd. by t2)

[h30]cd by u2

[m31]Ctd. by w2

[t32]contd. by x2

[t33]contd. by x2

[r34]SHRIMATI D. PURANDESWARI CONTINUED

[r35]CONTINUED BY Y2

[i36]Cd. by z2

[MSOffice37] ctd by a3

[KMR38]cd by c3

[R39]cd by d3

[p40]cd. by e3.e

[r41]Cd by G3

[RB42]Cd. By k3

[r43]contd. by M3

[mks44]cd. by n3.

[rpm45](Cd.by o3)

[R46]p3cd

[i47]cd. by q3

[MSOffice48] Ctd by r3

[r49]Fd. by s3

[m50]Ctd. by t3

[t51]contd. by u3

[r52]SHRI A. KRISHNASWAMY CONTINUED

[r53]CONTINUED BY W3

[reporter54]contd by X3

[ak55]cd.. by Y3

[c56]cont by z3.h

[sk57] cd by a3

[R58]Fd by b4

[R59](cd. by c4)

[R60]cd. by 'f4'

[r61]cd. By g4

[i62]Cd. by h4

[bru63]Cd. By j4

[r64]contd. by K4

[R65]cd. by n4.h

[k66](Cd. by o4)

[r67]Praful ctd

[r68]ctd by p4

[r69]cd. by q4

[sk70] Cd by r4

[RB71]cd. By s4

[R72](cd. by t4)

[h73]cd by u4

[lh74]cd.. by W4

[R75]Fd by x4.e

[KMR76]Fd by y4

[R77]Cd by z4

[MSOffice78] Ctd by a5

[k79]Ctd by b5.e

[R80]Cd C5

[R81]cd. by 'd5'

[R82] Fld. by e5

[R83]fd. by f5

[r84] Friday, March 10, 2000/Phalguna 20, 1921 (Saka).